पापी के मुख से राम कोणी निकले ,
केशर ढुल गई गारे में ।
मिनख जमारो बन्दों एल्यो मत खोई ना
सुपरथ करले जमारे न ।।

भैंस पद्मनी न गहनों पहनायो ,
के जाने नोसर हारा ने ।
पहन कोणी जाने वा तो ओढ़ कोणी जाने
उम्र गमादी गोबर गारे में ।। 1

सोने की थाल में सुरी न परोषि ,
के जाने जिमन हारा ने ।
जिम कोणी जाने बातो झूंठ कोणी जाने
हुलड़ हुलढ मर गई जमारे में ।।2

काच के महल में कुतिया सुहाणि ,
के जानें रंग चौबारे मे ।
सोया कोणी जाने बातो ओढ़ कोणी जाने
घुस घुस खो दियो जमारे ने।।3

मानक मोती मूर्खा दीन्हा
दलबा तो बेठ गया सारा ने ।
हीरे की पारख जौहरी जाने ,
के जाने मुर्ख गंवार ने ।। 4

अमृत नाथ अमर भया जोगी ,
जार गए काचे पारे ने
भूरा भजन राम का करले
हरी मिले दसु द्वारे में ।।5
पापी के मुख से राम कोणी निकले
केशर ढुल गई गारे में ।
मिनख जमारो बन्दों एल्यो मत खोई ना
सुपरथ करले जमार न ।।